APRIL 2014 TO MARCH 2015

कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों को प्रशिक्षित किया गया

जैविक खेती करने सलाह दी गई

प्रशिक्षण में शामिल किसान

नगर संवाददाता

कवर्धा. कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जलग्रहण समिति के द्वारा चयनित कृषकों को 13,14 एवं 20, 21 ...

कार्यक्रम समन्वयक डॉ.टी.डी.साहू ने कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियां जैसे अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रक्षेत्र परीक्षण एवं कृषक/कृषक महिलाओं का ...

अरहर, मूंग में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती विषय पर जानकारी दी क्योंकि खेतों में सुक्ष्म तत्व की कमी होने पर पौधे कमजोर हो जाता है, जिससे बीमारी आने की संभावना बढ़ जाती है. केन्द्र में पदस्थ पौध रोग वैज्ञानिक डॉ.बी.पी. त्रिपाठी ने किसानों को पौध रोग प्रबंधन एवं कीट प्रबंधन पर जानकारी जैसे धान के खेत में इस समय बैक्टीरियल ब्लाइट जिसमें पत्ती ऊपर से नीचे की तरफ सूखती है ऐसी स्थिति में किसान भाई मैन्कोजेब 250 ग्राम एवं स्टेप्टोसाइक्लीन 6 ग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें, यदि फसल में धब्बे दिखाई दे जो आंख के आकार हो तो झुलसा रोग प्रकोप माना जाता है ऐसी स्थिति में किसान भाई ट्राइसाइक्लोजोल 120 ग्राम दवा प्रति एकड़ एवं 10 कि. ग्रा. पोटाश प्रति एकड़ तथा यूरिया का ...

काटते है इसके लिए ट्राइजोफास 300 मि.ली. प्रति एकड़ छिड़काव करें. वैज्ञानिक डॉ. नूतन रामटेके ने पशुपालन एवं प्रबंधन जैसे बरसात में गाय, भैस को खुरपका, मुंहपका बिमारी, आदि के बारे में एवं चूहा नियंत्रण को महत्वपूर्ण जानकारी दी, इजीनियर टी.एस. सोनवानी ने कृषि यंत्रों का रख रखाव एवं उपयोग के बारे में बताया. श्रीमति प्रमिला कांत ने सब्जियों की खेती एवं नर्सरी प्रबंधन, श्रीमति सुलोचना भूईया ने मछली पालन की जानकारी दी. इस चार दिवसीय प्रशिक्षण में कुल 95 किसानों ने कृषि तकनीकी की उन्नत जानकारी प्राप्त किये.

...वार, 12 सितम्बर 2014 कवर्धा हरिभू...

कृषि विज्ञान केन्द्र में मासिक कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज. कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा द्वारा 9 सितंबर को मासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कबीरधाम जिले के चारो विकासखण्डों के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जिले की गत माह में कृषि से संबंधित जानकारी पर विस्तृत रूप से चर्चा की। मासिक कार्यशाला में उपसंचालक कृषि नागेश्वर लाल पांडे ने विभाग की योजनाओं एवं प्रक्षेत्र प्रदर्शन की समन्वित जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. टीडी साहू ने धान, सोयाबीन में उर्वरक एवं सूक्ष्म तत्व प्रबंधन की समन्वित जानकारी दी। डॉ. विजय सोनी ने धान के प्रमुख कीट तना छेदक के नियंत्रण, चितरी, भूरा, माहू आदि पर विस्तृत जानकारी दी। संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कवर्धा के अधिष्ठाता डॉ. आरके द्विवेदी ने महाविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केन्द्र में पदस्थ पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. बीपी त्रिपाठी ने धान, सोयाबीन, अरहर में लगने वाली प्रमुख बिमारियों के संबंध में चर्चा की और समन्वित रोकथाम के उपाय बताए। केन्द्र में पदस्थ उद्यानिकी वैज्ञानिक श्रीमती प्रमिला कांत ने खरीफ, रबी एवं जायद मौसम में उगाए जाने वाली सब्जियों के उत्पादन तकनीक के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. नूतन रामटेके द्वारा चूहों के नियंत्रण पर जानकारी दी गई। सभी उपस्थित कृषि अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा अगस्त माह में आने वाले प्रमुख कृषि कार्य पर विस्तृत चर्चा की गई। जिससे किसानों को कम लागत में ज्यादा उत्पादन मिल सके।

कवर्धा पत्रिका

जैविक खेती करने की दी जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

[illegible]

...र, 4 सितंबर 2014 कवर्धा

कीटव्याधी नियंत्रण के लिए टीमें की गई गठित

हरिभूमि न्यूज. कवर्धा

कलेक्टर पी.दयानंद ने जिले में खरीफ एवं रबी 2014-15 में बोई गई फसलों को कीट व्याधि से बचाए रखने हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों की संयुक्त तकनीकी दलों का गठन किया है।

संयुक्त दल मैदानी स्तर पर फसलों के सतत निरीक्षण एवं कीटव्याधि का प्रकोप पाये जाने पर कृषकों एवं मैदानी कार्यकर्ताओं को उचित सामयिक तकनीकी सलाह देने, समाचार पत्रों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी सुझाव देंगे। कवर्धा एवं सहसपुर लोहारा विकासखण्ड के लिये तकनीकी अधिकारी सहायक संचालक पीजी गोस्वामी, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र बीपी त्रिपाठी, संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तकनीकी अधिकारी है।

तकनीकी अधिकारी प्रत्येक मंगलवार को संपूर्ण फसल अवस्था व सीजन में सितंबर 2014 से फरवरी 2015 तक खेतों का भ्रमण कर कीट व्याधि का निरीक्षण करेंगे। इसी प्रकार बोड़ला एवं पंडरिया विकासखंड के लिये कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. टीडी साहू, वैज्ञानिक कृषि महाविद्यालय डॉ. विजय सोनी, संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तकनीकी अधिकारी है।

तकनीकी अधिकारी प्रत्येक मंगलवार को संपूर्ण फसल अवस्था व सीजन में सितंबर 2014 से फरवरी 2015 तक खेतों का भ्रमण कर कीट व्याधि का निरीक्षण करेंगे।

मासिक कार्यशाला का आयोजन

बैठक में कृषि अधिकारी

[illegible]

APRIL 2014 TO MARCH 2015

अक्टूबर 2014 | कवर्धा | हरिभूमि

कृषि से जुड़े विषयों में संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज . कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र में गत 1 अक्टूबर को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के डॉ. एसके पाटिल, संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कवर्धा के अधिष्ठाता डॉ. एके द्विवेदी, सहायक संचालक उद्यानिकी एमपीएस चौहान, सहायक यंत्री एके पाण्डेय, सहायक मात्स्यिकी अधिकारी धाईके डिंडोरे उपस्थित थे। जिसमें जिले के प्रगतिशील कृषकों ने खेती से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस कार्यक्रम में कबीरधाम जिले के कृषक केदार सिंह ठाकुर ने जीमीकंद की खेती को कबीरधाम जिले के लिए एक लाभदायक व्यवसाय बताकर अन्य फसलों से ज्यादा लाभ लेने के लिए उन्नत किस्म की उपलब्धता पर जोर दिया एवं प्रमाणित बीज की समय पर उपलब्ध कराने की मांग की। नेतराम चंद्रवंशी ने चना में उकठा रोग एवं इसके निदान के विषय पर चर्चा की। इसके पश्चात कुलपति श्री द्विवेदी ने सभी कृषकों की समस्याओं पर खुली चर्चा की। उन्होंने खेती को लाभदायक व्यवसाय बनाने के लिए कृषकों को जागरूक होने एवं खेती में उन्नत तकनीकी को अपनाकर ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने पर जोर दिया। संगोष्ठी में राजनांदगांव तथा कवर्धा के कृषि वैज्ञानिकों सहित बड़ी संख्या में जिले से आए कृषकगण उपस्थित थे।

कृषि विशेषज्ञों ने किया खेतों का भ्रमण

कवर्धा| फसलों में कीट व्याधि के सर्विलेंस एवं नियंत्रण के लिए गठित टीम ने ग्राम डबराभाट, सारंगपुर, नेवारी, दौजरी, खैरझिटीकला, धरमपुरा, नेवारी, जेवड़न, पिपरिया, मरका आदि गांवों में खेतों का भ्रमण किया। टीम में शामिल कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को विभिन्न बीमारियों व उसके रोकथाम की जानकारी दी। भ्रमण दल में बीपी त्रिपाठी, पीजी गोस्वामी, पीडी हथेश्वर एवं बीआर नागवंशी शामिल थे

जिला राजनांदगांव | हरिभूमि

पैदावार बढ़ाने की दी गई तकनीकी जानकारी

हरिभूमि न्यूज . कवर्धा

कृषि विभाग द्वारा संचालित एक्सटेंशन रिफार्म्स आत्मा के तहत कबीरधाम जिले के 25 किसानों का दो दिवसीय अनुसंधान प्रसार-कृषक, वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन 26 एवं 27 सितम्बर को कृषक प्रशिक्षण हाल पोंडिया में किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के चारों विकासखंडो से महिला एवं पुरुष किसानों ने शिरकत लिया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम अनुसार विकासखंडो से आए किसानों का स्वागत कर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रभारी उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर ने आयोजन के पहले दिन कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, महत्व एवं विभाग द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी उपस्थित कृषकों को दिया गया। संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कवर्धा तथा कृषि विज्ञान केंद्र नेवारी के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खरीफ फसलों की कम लागत में अधिक पैदावार तकनीकी, जैविक उत्पादन से पर्यावरण को सुरक्षित रखने, मित्र कीटों के बचाव, रासायनिक दवाओं के हानिकारक प्रभाव, खरीफ फसलों में कीट व्याधि से फसलों को बचाने हेतु प्रकाश प्रपंच, फेरोमेनट्रेप आदि का उपयोग करने हेतु सुझाव दिया गया। कृषि वैज्ञानिक प्रमिला कांत ने खरीफ में वर्षा आधारित उद्यानिकी फसलों के खेती की तकनीक तथा भरपूर उत्पादन हेतु सब्जी के बगान लगाने की विधि से किसानों को विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व प्रशिक्षण हाल के समीप कृषि महाविद्यालय परिसर के कृषि प्रक्षेत्र व सहायक कृषि यंत्री कार्यालय में उपलब्ध कृषि यंत्रों का कृषकों को अवलोकन कराया गया।

किसानों की मेहनत बर्बाद

- सोयाबीन की फसल पर लग रहे कीट
- किसान संघ ने की मुआवजे की मांग

कवर्धा

bureau@patrika.com

मौसम की बेरुखी ने इस वर्ष सोयाबीन कृषकों को बर्बाद कर दिया। समय पर पानी नहीं मिलने के कारण सोयाबीन की फसल खराब हो गई। किसान संघ ने शासन से मुआवजे की मांग की है।

सोयाबीन बुआई के समय 15 दिनों तक बारिश ही नहीं हुई। समय पर पानी नहीं मिलने कारण बीज अंकुरित भी न हो सके। नतीजा फसल होने से पहले ही नष्ट हो गए। किसानों ने दोबारा सहकारी समितियों से दोगुने दाम पर बीज लेकर फसल तैयार किए। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं अब कई गांव में सोयाबीन के फसल में कई प्रकार के बीमारियों की चपेट में आ चुके है, जो फसल को पूरी तरह बर्बाद कर रहा है। बीमारी से फसल तेजी से सूख रहे है, जिससे किसान चिंतित हैं। किसानों की ओर कृषि विभाग ध्यान दे रहा है और न ही जिला प्रशासन। किसान संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्रवंशी, अजय चंद्रवंशी, प्रदीप ने किसानों को क्षतिपूर्ति राशि के रुप में किसानों को राहत पहुंचाने कि मांग शासन से किया है।

कवर्धा. कृषि विभाग के कर्मचारियों ने सोयाबीन फसलों का निरीक्षण किया।

कीटनाशक का भी असर नहीं

किसानों द्वारा सोयाबीन पर फैल रहे बीमारी के लिए कृषि विभाग के कर्मचारी फसलों का निरीक्षण कर रहे हैं। उनके बताए अनुसार कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है, लेकिन इसके बाद भी कोई असर नहीं हो रहा है। इससे परेशान किसानों ने मुआवजे कि मांग की है।

संगोष्ठी में किसानों को उन्नत खेती से आर्थिक दशा सुधारने दिया जोर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र का किया निरीक्षण

कवर्धा| इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसके पाटिल ने कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण किया। उनके साथ संत कबीर कृषि कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र के अधिष्ठाता डॉ. एके द्विवेदी, सहाय संचालक उद्यानिकी एमपीएस चौहान, सहायक यंत्री एके पांडेय एवं सहायक मात्स्यिकी अधिकारी वाईके डिंडोरे उपस्थित थे। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बीपी त्रिपाठी ने किसान संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी में जिले के प्रगतिशील कृषकों ने खेती से जुड़ी विषयों पर विस्तृत चर्चा की। कुलपति डॉ. पाटिल ने सभी कृषकों की समस्याओं पर खुली चर्चा की। उन्होंने खेती को लाभदायक व्यवसाय बनाने के लिए कृषकों को जागरूक होने एवं खेती में उन्नत तकनीकी को अपनाकर ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने पर जोर दिया। कुलपति ने युवा किसानों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताते हुए युवाओं को खेती के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण करते इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. के कुलपति डॉ. पाटिल।

उकठा रोग नियंत्रण के लिए कुलपति श्री पाटिल ने फसल चक्र परिवर्तन अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में किसान केदार सिंह ठाकुर ने जमीकंद की खेती को जिले के लिए एक लाभदायक व्यवसाय बताकर अन्य प्रगतिशील किसानों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया।

सुशील चंद्रवंशी ने उद्यानिकी फसलों से ज्यादा लाभ लेने के लिए उन्नत किस्म की उपलब्धता पर जोर दिया एवं प्रमाणित बीज की समय पर उपलब्ध कराने की मांग की। नेतराम चंद्रवंशी ने चना में उकठा रोग एवं इसके निदान के विषयों पर चर्चा की। जिले में पाइरिला नामक कीट का प्रकोप गन्ना एवं धान की फसलों पर देखा जा रहा है, जिसके नियंत्रण के लिए प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. वाईके यदु ने समन्वित प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कृषक संगोष्ठी में अतिरिक्त संचालक कृषि एमएस केरकट्टा एवं उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पांडेय सहित 30 कृषक उपस्थित थे।

APRIL 2014 TO MARCH 2015

नवभारत
गुरुवार, 9 अक्टूबर 2014

कुलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण किया

11 नवम्बर 2014 कवर्धा

प्रक्षेत्र दिवस में किसानो को दी गई जानकारी

स्वावलंबी बनने ग्रामीण युवाओं को मिला कृषि प्रशिक्षण

ग्रामीण क्षेत्र के 80 युवक लाभान्वित

फफूंद नाशक उत्पादन विधि बताते हुए

पत्रिका . कवर्धा . शुक्रवार. 17 अक्टूबर 2014

कृषि विद्यार्थियों को दी जानकारी

कवर्धा

bureau@patrika.com

कृषि विज्ञान केंद्र में संत कबीर कृषि महाविद्यालय और भोरमदेव कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 50 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

प्रशिक्षण की शुरुआत कार्यक्रम समन्वयक द्वारा किया गया। इसमें उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियां जैसे प्रक्षेत्र प्रदर्शन, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, ग्रामीण कृषकों और कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. बीपी त्रिपाठी द्वारा खरीफ फसल सोयाबीन, धान, अरहर, मूंग, उड़द आदि के कीट व्याधि की पहचान, समन्वित प्रबंधन और मशरूम उत्पादन तकनीकी के बारे में बताया। साथ में रबी फसलें जैसे चना, गन्ना, की बीमारी और ट्राइकोडर्मा जैव फफूंदनाशक उत्पादन तकनीकी की जानकारी दी गई। वैज्ञानिक प्रमिला कांत द्वारा सब्जियों की नर्सरी प्रबंधन, उत्पादन और फल-फूल की खेती कैसे करें इस पर जानकारी दी गई। डॉ. नूतन रामटेके द्वारा पशुपालन और प्रबंधन संबंधित जानकारी दी गई।

किसानों को बताएंगे क्या होती है वैज्ञानिक खेती-किसानी

कवर्धा. जिले के किसानों के लिए प्रशिक्षण हॉल पोंडिया में दो दिवसीय अनुसंधान प्रसार, कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिवस 26 सितंबर को खरीफ फसलों की उन्नत खेती, अधिक आय के स्रोत, पौध संरक्षण, उद्यानिकी फसलों का उत्पादन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय दिवस 27 सितंबर को अनाज दलहन, तिलहन का उत्पादन मूल्य प्रबंधन व विपणन, मांस, अंडा, दुग्ध उत्पादों का उत्पादन मूल्य प्रबर्धन व विपणन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दैनिक भास्कर
मंगलवार 11 नवंबर, 2014

किसानों को दी गई धान फसल की जानकारी

जिले के 80 किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्र में ली बीजोपचार की ट्रेनिंग

दो दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों ने जैव फफूंद नाशक दवा बनाना सीखा

भास्कर न्यूज | कवर्धा